



Avneet kaur

18 Feb 1999

01:00 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121801207

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/02/1999
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 13:00:00 घंटे
इष्ट _____: 14:46:05 घटी
स्थान _____: Ludhiana
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:56:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:33:28 घंटे
वेलान्तर _____: -00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल _____: 22:24:46 घंटे
सूर्योदय _____: 07:05:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:15:51 घंटे
दिनमान _____: 11:10:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 05:20:49 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 27:56:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मीन - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पू०भाद्रपद - 4
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: सिद्ध
करण _____: तैतिल
गण _____: मनुष्य
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

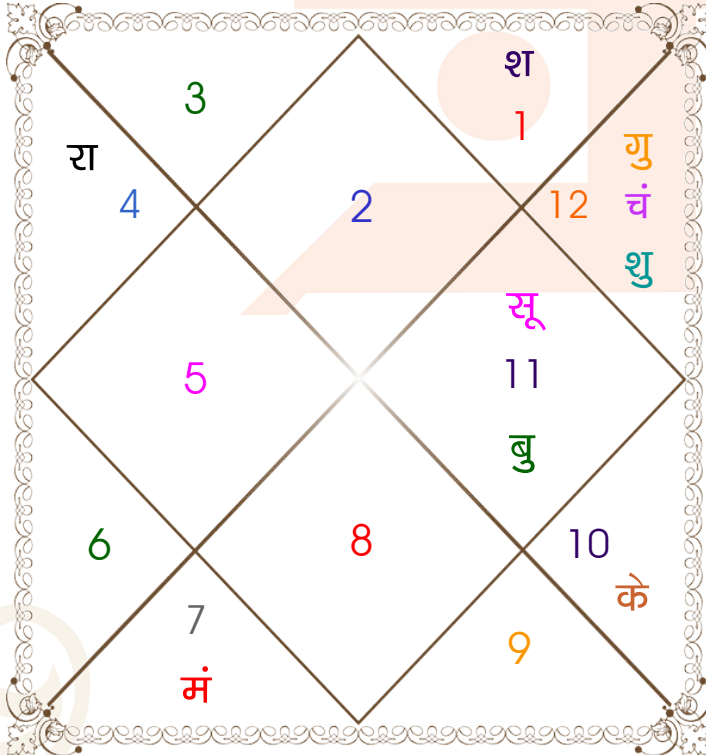
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		वृष	27:56:44	346:35:41	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य		कुंभ	05:20:49	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र		मीन	01:39:55	14:09:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल		तुला	14:06:09	00:16:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध		कुंभ	16:31:56	01:49:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु		मीन	07:19:17	00:13:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र		मीन	01:46:12	01:14:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि		मेष	05:10:56	00:05:03	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व	कर्क	27:59:45	00:03:11	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व	मक	27:59:45	00:03:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष		मक	19:51:27	00:03:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप		मक	09:00:33	00:02:06	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो		वृश्चि	16:29:41	00:00:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव		कुंभ	10:28:05	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

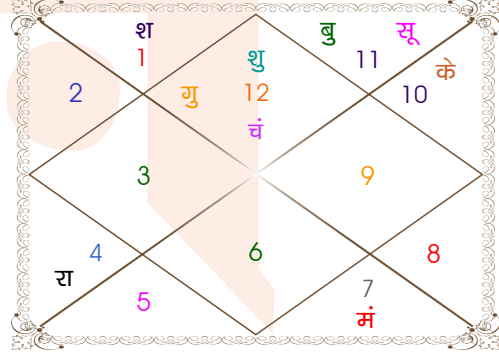
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:32

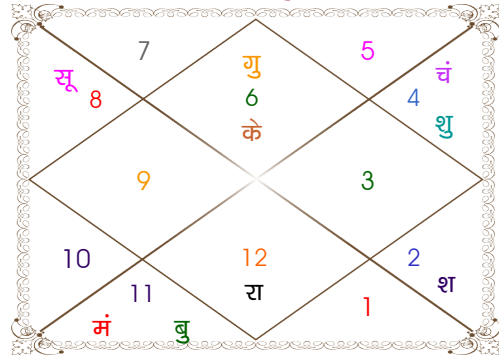
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
18/02/1999	18/02/2001	19/02/2020	18/02/2037	19/02/2044
18/02/2001	19/02/2020	18/02/2037	19/02/2044	19/02/2064
00/00/0000	शनि 22/02/2004	बुध 18/07/2022	केतु 17/07/2037	शुक्र 20/06/2047
00/00/0000	बुध 01/11/2006	केतु 15/07/2023	शुक्र 16/09/2038	सूर्य 20/06/2048
00/00/0000	केतु 11/12/2007	शुक्र 15/05/2026	सूर्य 22/01/2039	चंद्र 18/02/2050
00/00/0000	शुक्र 10/02/2011	सूर्य 21/03/2027	चंद्र 23/08/2039	मंगल 21/04/2051
00/00/0000	सूर्य 22/01/2012	चंद्र 20/08/2028	मंगल 19/01/2040	राहु 20/04/2054
00/00/0000	चंद्र 23/08/2013	मंगल 17/08/2029	राहु 06/02/2041	गुरु 19/12/2056
00/00/0000	मंगल 02/10/2014	राहु 05/03/2032	गुरु 13/01/2042	शनि 19/02/2060
18/02/1999	राहु 08/08/2017	गुरु 11/06/2034	शनि 22/02/2043	बुध 20/12/2062
राहु 18/02/2001	गुरु 19/02/2020	शनि 18/02/2037	बुध 19/02/2044	केतु 19/02/2064

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
19/02/2064	18/02/2070	19/02/2080	19/02/2087	19/02/2105
18/02/2070	19/02/2080	19/02/2087	19/02/2105	19/02/2119
सूर्य 07/06/2064	चंद्र 20/12/2070	मंगल 17/07/2080	राहु 01/11/2089	गुरु 09/04/2107
चंद्र 07/12/2064	मंगल 21/07/2071	राहु 05/08/2081	गुरु 26/03/2092	शनि 21/10/2109
मंगल 14/04/2065	राहु 19/01/2073	गुरु 11/07/2082	शनि 31/01/2095	बुध 27/01/2112
राहु 09/03/2066	गुरु 21/05/2074	शनि 20/08/2083	बुध 20/08/2097	केतु 01/01/2113
गुरु 26/12/2066	शनि 20/12/2075	बुध 16/08/2084	केतु 07/09/2098	शुक्र 02/09/2115
शनि 08/12/2067	बुध 20/05/2077	केतु 13/01/2085	शुक्र 08/09/2101	सूर्य 21/06/2116
बुध 13/10/2068	केतु 20/12/2077	शुक्र 15/03/2086	सूर्य 03/08/2102	चंद्र 21/10/2117
केतु 18/02/2069	शुक्र 20/08/2079	सूर्य 21/07/2086	चंद्र 02/02/2104	मंगल 27/09/2118
शुक्र 18/02/2070	सूर्य 19/02/2080	चंद्र 19/02/2087	मंगल 19/02/2105	राहु 19/02/2119

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्त हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेते बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते हैं जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुंदर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रिय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएं।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरिक पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।